









तिगरी ने गंगा की रेती पर जिस दिन के इन्हाँने के लिए गुलिया के ताना ऐसो आजान छोड़कर लाया लोग कई दिन से नीचे रेता में तबू लगाकर पढ़ थे, गुय स्नान कारिंक पूर्णिमा पर मंगलवार की तरफ़ ली श्रद्धालुओं का रैली पाति पावनी गंगा में रुकान के लिए उमड़ पड़ा। दूर-दराज और आस-पास से लायों की संघर्ष पहुंचे श्रद्धालु घाटों पर नजर आ रहे थे।

## अमरोहा हसनपुर/धनोरा/गजरौला

**दैनिक भास्कर**  
बुधवार, 09 नवम्बर 2022, नोएडा 05



## गंगा पूर्णिमा पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की दुबकी



## कार्तिक पूर्णिमा: हर और आस्था का सैलाब, उद्घोष से गुंजे घाट

भास्कर व्यूरो.

गंगरौला कारिंक पूर्णिमा के अवसर पर तिगरी गंगा धाम में मिनी कुम्ह जैसा नजारा देखने को मिला। वहाँ भौं बोते ही उमड़े लायों श्रद्धालुओं ने हर-हर गण व हर-हर महादेव के साथ मोक्षदायिनी, देवतादी गंगा में आस्था की डुकुला लाइ। स्नान बाद प्रसाद चढ़ा कर गंगा मैया को नमन कर पुण्य कमाया। तड़के शुरू हुआ यह 'म शम तक चलता रहा।

तिगरी में गंगा की रेती पर जिस दिन के इन्हाँने के लिए दुकुला के तामा ऐसा अराम छोड़कर लायों लोग कई दिन से नीचे रेत में तबू लगाकर पढ़ थे, मुख्य स्नान स्काउट की भूमिका सालानीय रही। स्काउट की ओर से मेले में खोला गया नमन कर पुण्य कमाया। तड़के शुरू हुआ यह 'म शम तक चलता रहा।



### बच्चे और बुजुर्गों को अपनों से मिलाने में लगी रही स्काउट

गंगरौला कारिंक पूर्णिमा पर लगाने वाले इस विद्यालयी गंगा धाम गेले में आस्था स्काउट की भूमिका सालानीय रही। स्काउट की ओर से मेले में खोला गया खोला गया को संभाले पहुंचे श्रद्धालु घाटों पर नजर आ रहे थे। भौं को किरणों के साथ घाटों पर उमड़ श्रद्धालुओं का सेलाब दोपहर तक जमा रहा। सूर्य की किरणों फैलने पर सभी घाट श्रद्धालुओं की भी भौं से खचवाच भर गए एवं रस्ते खोले होते ही जगह दिखाई नहीं पड़ रही थी। भौं भी भौं के चलते गुरजना मुश्किल हो गया था। कड़ी मशक्कत के बाद ही श्रद्धालु गंगाट तक पहुंच पाए थे। यह स्थिति तिगरी गंगा किसारे बने घाट से अतिम सेक्टर तक बने घाटों की थी। श्रद्धालुओं ने भागीरथी

### आ अब लौट चलें.....

### गंगा में दुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने किया धरों का रुख

गंगरौला कारिंक पूर्णिमा पर गंगा में स्नान के बाद श्रद्धालुओं के बापी सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने सर्वोदय होते से पहले ही गंगा में दुबकी लगाई। और धार्मिक अनुष्ठान कराया। मेले में भिटाड्या, चाट-पक्कोड़ी खरोदको एके घर विद्यालयी गंगरौला तक वाहनों का रुख दिया। इसके बाद विद्यालयी गंगरौला के सुख्य स्नान के साथ ही तिगरी मेला संखाह हो गया। कारिंक पूर्णिमा पर भौं होते ही लायों श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे जय हो गंगे महाराणी की, के जयधोष के साथ गंगा में दुबकी लगाई।

अभियांक कराया। मेले में भिटाड्या, चाट-पक्कोड़ी और घर के लिए सामान खरोदको और इसके केड़े बुजुर्ग प्रकार के लिए गंगरौला के बाद घर के लिए गंगा भौं का रुख दिया।

उठाने के बाद घर लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने गंगा की रेती में उड़द और चाचल की ओर उड़ाना और घर से नार जगरी सामान को समेटने के लिए गंगा में दुबकी लगावाने के लिए श्रद्धालुओं ने अपिकृत सामान को रात में ही पैक कर दिया था। शुरूवात के साथ ही गंगा में गोता लगाने के बाद घर की ओर रुख करने लगे। श्रद्धालुओं आ आ लौ तौ चर्चें... के अंदर में अपने ट्रैक्टर-ट्रायलिंग, मैसा बुजुर्गों, कार आदि वाहनों से अपने जांबाजी की ओर लौटने शुरू हो गए। दिनभर श्रद्धालुओं को वाहन लौटने का यह सिलसिला चलता रहा।



लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने गंगा की रेती में गढ़े गए तुंडुओं को उड़ाना और घर से नार जगरी सामान को समेटने के लिए गंगा में दुबकी लगावाने के लिए श्रद्धालुओं ने अपिकृत सामान को रात में ही पैक कर दिया था। शुरूवात के साथ ही गंगा में गोता लगाने के बाद घर की ओर रुख करने लगे। श्रद्धालुओं आ आ लौ तौ चर्चें... के अंदर में अपने ट्रैक्टर-ट्रायलिंग, मैसा बुजुर्गों, कार आदि वाहनों से अपने जांबाजी की ओर लौटने शुरू हो गए। दिनभर श्रद्धालुओं को वाहन लौटने का यह सिलसिला चलता रहा।

के जयकारों से आसमान गुंज रहा था। अधिकारियों संग संग गंगा में आस्था की दुबकी लगाई।

तट पर आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के साथ हाथ में रक्षास्त्र बंधवाया की जगह दिखाई नहीं दी गयी। अपने चंद्रें रोलों का तिकल लगावाया था।

तिगरी गंगा धाम में आस्था व श्रद्धा की दुबकी समुद्रिक के लिए मंत्रोच्चार के











महानगर की आबादी 9 लाख हो जाने पर भी कोई पार्क नहीं होने के क्रम में टीटू कैलोनी को आकर्षक पार्क के रूप में विकसित करने के आदेश दिए गए हैं।

# नई दिल्ली सहारनपुर

दैनिक भास्कर  
बुधवार, 09 नवम्बर, 2022, नोएडा 11

## रेल भूमि अधिग्रहण में किसानों को मिलेगा मुआवजा: वैष्णव

■ सहारनपुर रेलवे स्टेशन के विश्वस्तरीय बनने की दी जानकारी

सहारनपुर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सर्किट हाउस में पंक्तकार वार्ता में जहां पूर्व में आओ मामलों में लिए गए संज्ञान एवं रेल मंत्री अधिग्रहण में हुई असमंजस से प्रभावित किसानों को समृद्धि अवाज़ मिलने की बात भी कही है। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि पीएम नंदें मोदी ने कैबिनेट के लिए जवाबदेही निश्चित करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि सिद्ध पीठ मां शाकधारी देवी पवित्र स्थल पर मोबाइल सिमनल नहीं आये की जो जानकारी दी गयी थी, उसमें टावर लागाने का क्रम हुआ है और 12 अगस्त से वहाँ नेटवर्क की समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने बताया कि 19 देन जो कोरोना काल में प्रभावित हुई थी उनमें से 17 रेलगाड़ियां संचालित हो गयी हैं शेष



2 भी अविलम्ब चाल हो जाएंगी, जिनके लिए रास्ता नहीं मिल पा रहा है। खलासी लाइन ढोपना नदी की द्वेषज की समस्या का समाधान करने के लिए पीएम ने 6 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं, जिसका भूमि पूजन भी किया गया है। शरादा नगर में ढाई करोड़ रुपये पुल की सेट के लिए स्वीकृत हुए हैं। महानगर की आबादी 9 लाख हो जाने पर भी कोई पार्क नहीं होने के क्रम में टीटू कैमोंटी को आकर्षण पार्क के संबंध में विकसित करने के अदेश दिए गए हैं। लकड़ी की पुल का नेटवर्स में पहले जो रेल हुआ है और जिसके लोए 7 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। जो रेलवे स्टेशन के दोनों ओरों को जोड़ा जाए तो इसकी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। पिलखनी में वुड वर्क के लिए भी कार्य योजना तैयार हो गयी है और युद्ध शेड तैयार किया जाएगा। पिलखनी से पहली दो रेल निकल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि योजना के संबंध में विस्तार से समझाया कि पहले जो रेल होती थी उसमें पवित्रता हुआ है और जिसकी तीव्र गति से रेल को चलाना है, उसके लिए रेल ट्रैक भी आधुनिक बनाये जा रहे हैं जिसमें रेल की स्पीड को 130 किमी प्रति घण्टा

आगामी 50 वर्षों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रेल विकास को 350 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि योजना की आवादी 50 लाख चाराचार, प्रयागराज, हरिद्वार सहित सहारनपुर रेलवे स्टेशन को भी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। पिलखनी में वुड वर्क के लिए भी कार्य योजना तैयार हो गयी है और युद्ध शेड तैयार किया जाएगा। पिलखनी से पहली दो रेल निकल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि योजना के संबंध में विस्तार से समझाया कि पहले जो रेल होती थी उसमें पवित्रता हुआ है और जिसकी तीव्र गति से रेल को चलाना है, उसके लिए रेल ट्रैक भी आधुनिक बनाये जा रहे हैं जिसमें रेल की स्पीड को 130 किमी प्रति घण्टा

रहेगी। उन्होंने बताया कि वेदामतरम रेल सहारनपुर आये इसके लिए 48-50 स्थल ऐसे हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है, और वार कार्य बहित तेजी से किये जा रहे हैं। देवबन्द रेलवे स्टेशन पर सुधारणा बढ़ाने के लिए 23 करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय किये जाएंगे। नये पुल अंडर पास भी बनाये जा रहे हैं, जिस पर 740 करोड़ रुपये व्यय होने हैं। टपरी में लेटफोर्म नीचे है भाकासा, सोना अर्जुनपुर आदि के लेटफोर्म ऑर्डर के लिए दिव्यांशु देव दिव्यांशु है। 1050 करोड़ रुपये का काम प्रेट्र कार्डिंग में व्यव किये जा रहे हैं। टपरी के निकट रेलवे वार्ड में शेड बनाया जा रहा है। उन्होंने सहारनपुर दिल्ली के लिए शीशी ही नई रेलगाड़ी और देने की भी जानकारी दी। पत्रकार वार्ड में कैरेना सासद प्रदीप चौधरी, प्रदेश सकार में मंत्री जसवंत सैनी, खामोशी चौधरी, देवेंद्र निम, पश्चिम भुक्षा चौधरी, लकड़ी की लिया गया, विधायक मुकेश चौधरी, देवेंद्र निम, पश्चिम भाजपा अध्यक्ष महिला बैनीवाल, पूर्व भाजपा संघर्ष राधव लखनपाल शर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ० महेंद्र सिंह सैनी, नगर अध्यक्ष राकेश जैन आदि प्रमुख रुपये की स्पीड की 130 किमी प्रति घण्टा

रहेंगे। जिला उद्योग बंधु व मंडलीय उद्योग विश्वस्तरीय के कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने सर्वप्रथम बैठक में उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों का हाइटिंक स्वागत एवं अधिनंदन करते हुए कहा कि संस्था के वार्षिक मोहोस्वर सम्मेलन 2022 के सफल आयोजन पर धम गया। एक वार्षिक योजना के लिए रेलवे स्टेशन पर आधुनिक योजना के सहयोग के लिए रेलवे स्टेशन पर आधुनिक योजना की विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

## एकसपोर्ट सेमिनार का आयोजन 22 नवम्बर को

सहारनपुर। जिला उद्योग बंधु व मंडलीय उद्योग विश्वस्तरीय के कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने सर्वप्रथम बैठक में उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों का हाइटिंक स्वागत एवं अधिनंदन करते हुए कहा कि संस्था के वार्षिक मोहोस्वर सम्मेलन 2022 के सफल आयोजन पर धम गया। एक वार्षिक योजना के लिए रेलवे स्टेशन पर आधुनिक योजना की विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत नियोजित करने के लिए एक संस्थानी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

अध्यक्ष रविंद्र मिलानी ने उपरिस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों के जिलाउपरांत







# खेल-कारोबार

## सार सुर्खियां

सेमीफाइनल से पहले

भारत को बड़ा झटका

एडिलेड। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा।

इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड में टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मैच खेलने की तैयारी कर रहे थे भारत के कानान रोहित शर्मा नेट

प्रैक्टिस के दौरान चूट खा गयी है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

रोहित थोड़ाउन विशेषज्ञ की भौंडों को खेल रहे थे कि इस बीच एक गेंद उनके दाहिने हाथ पर ली, जिसके बाद वे दर्द से कराह उठे।

टीम के फीजियों ने उनका हल्का उपचार भी किया, जिसके बाद भारतीय कपाना दोबारा अभ्यास के लिये नेट पर आ गया, और एक गेंद खेलने के बाद उन्होंने बल्ला किनारे कर लिया। भौंडों एक आइस बास्ट पर बैठ गए, जहां चॉटिल रोहित से मेंटल कॉर्सिंग कोच पैटी अटन ने बात की।

रोहित शर्मा दोबारा अभ्यास के लिये नेट पर आ गया, और एक गेंद खेलने के बाद उन्होंने बल्ला

किनारे कर लिया। भौंडों एक आइस बास्ट पर बैठ गए, जहां चॉटिल रोहित से मेंटल कॉर्सिंग

कोच पैटी अटन ने बात की।

रोहित शर्मा दोबारा अभ्यास के लिये नेट पर आ गया, और एक गेंद खेलने के बाद उन्होंने बल्ला



मेडिंग में स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल मैच के दौरान एस्पेनियोल के मार्टिन ब्रेवेट से बॉल छीनते एटलेटिको डी डिपो एंजेसी

## फाइनल की एक टीम का फैसला आज

रोमांचक होगी पाक और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल की जंग

- आंकड़ों में पाकिस्तान का पलड़ा रहा है भारी
- किसी बड़े लुटफेट ने न्यूजीलैंड टीम सक्षम



सिंधुनी, एंजेसी। किस्मत की बदौलत टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की टीम बुधवार को सिंधुनी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रशंसन करने के लिए दे से उतरेगी।

दोनों टीमों के बीच पहला सेमीफाइनल मुकाबला नीं नवंबर को दोपहर 1.30 बजे से खेला जाना। आंकड़ों के लिए जो पाकिस्तान का पलड़ा रहा है तो उसके बाद न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। कप्तान बाबर आजम और रिजावन की सलामी जाड़ी आग टीम की तेज और बड़ी शुरुआत देने में सफल रहती है तो याक टीम की राह और आसान हा सकती है।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

विश्वकप की चमचमारी ट्राफी को उठाने में सिर्फ़ दो कदम दूर केन प्रियमस्न की टीम पाकिस्तान को बैपटीरी करने के लिये अपना सर्वव्याप्त बोक्स को तैयार हो गई। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। कप्तान बाबर आजम और रिजावन की सलामी जाड़ी आग टीम की तेज और बड़ी शुरुआत देने में सफल रहती है तो याक टीम की राह और आसान हा सकती है।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं होगा।

मौजूदा टी-20 विश्वकप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के उसके बाद में अब तक

चुनौती देने के तैयार केन की सेना

पाकिस्तान का प्रदर्शन तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व वाले मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर टिक रहे हैं। वही मध्यक्रम के बल्लेबाज शान मसूद, इफितखार अहमद और शादाब खान पर एक बार फिर प्रशंसनकों की उम्मीदें टिकी हो गईं। किंवदं टीम का मजबूत विश्वकप का सफर अब तक काफ़ी शानदार रहा है और अगर विलियम्सन के लड़ाक अपनी लय को बरकरार रख पाते हैं तो इनसे निपटना पाक के लिये कठई आसान नहीं



# सिख धर्म और सहज योग



सुन निरंतर सहज समाधि

तिंह घर जाए तो मिटे उपाधि।  
अर्थात् सहज समाधि निरंतर शून्य में रहने से है - जो प्राणी  
वहां तक पहुंच जाता है, उसके सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।



## सिख धर्म के प्रथम गुरु - श्री गुरु नानक देव जी

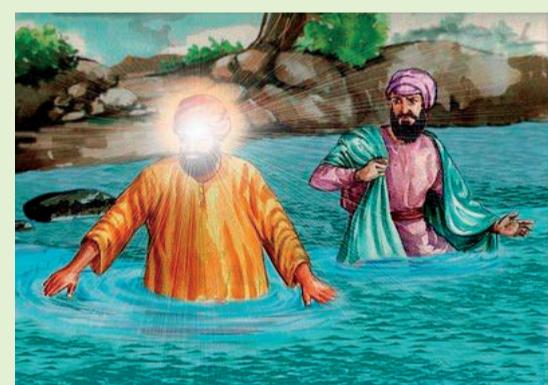
सिख धर्म के प्रथम गुरु - श्री गुरु नानक देव जी को गुरु नानक, बाबा नानक और नानकशाह के नाम से भी जाना जाता है और इन्होंने सिख धर्म की स्थापना की थी। इनके अंदर दार्शनिक, समाजसुधारक, धर्मसुधारक, कवि, देशभक्त, योगी, गृहस्थ और विश्वबंधु इत्यादि सभी के गुणों का समावेश था। इसीलिए इनके विचार केवल सिख धर्म के लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए प्रेरणादायक होते हैं।

### गुरु नानक जी का जन्म

अंधविश्वास और आँड़बरों के कट्टर विरोधी गुरु नानक का प्रकाश उत्सव (जन्मदिन) कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है हालांकि उनका जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक जी पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके मस्तक पर शुरू से ही तेज आभा थी।

### गुरु नानक जी का बचपन

वह बचपन से ही गंभीर प्रवृत्ति के थे। बाल्यकाल में जब उनके अन्य साथी खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित रहते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे और उनके ज्ञान को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। नानक जी ने घर बार छोड़ दिया और दूर दूर के देशों में भ्रमण किया जिससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। अंत में कबीरदास की 'निर्गुण उपासना' का प्रचार उन्होंने पंजाब में आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु हुए।

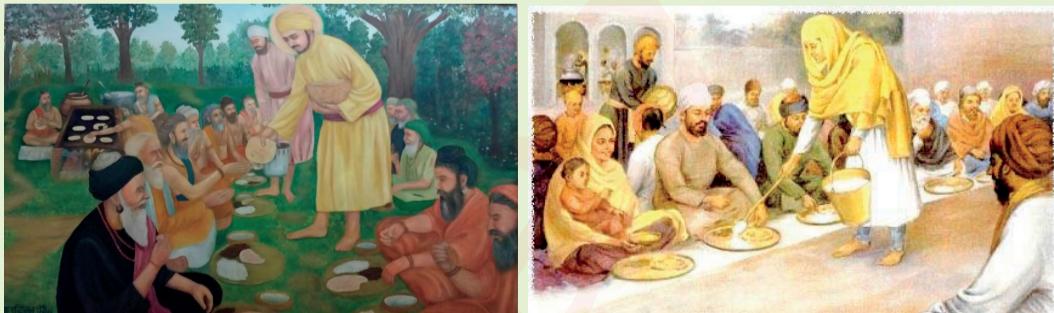


### परमात्मा ने पिलाया अमृत

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बैई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्धर्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा-

**मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ।**

इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की भी यात्राएं कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहां रहे।



### गुरु नानक देव जी ने की लंगर की शुरुआत

गुरु नानक देवजी ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए 'लंगर' की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है।

### उनकी शिक्षाओं में मुख्यतः तीन बातें हैं:

- ~ नाम जपो यानी प्रभु का स्मरण करो,
- ~ कीरत करो यानी गृहस्थ बन कर रोजगार में लगे रहो और ईमानदारी से कमाओ,
- ~ बंड छको अर्थात मिल बांट कर खाओ, जरूरतमंदों की मदद करो और अपनी आय का कुछ हिस्सा गरीब लोगों में बांटो।

वहां उन्होंने अहंकार, क्रोध, लालच, भौतिक वस्तुओं से अत्यधिक लगाव और वासना से बचने की सलाह दी।

## सामान्यता तो गुरु ग्रंथ साहिब पूरा सहजयोग ही है !

गुरु ग्रंथ साहिब में बहुत से सूक्ष्म संकेतों के द्वारा सहज योग के बारे में बताया गया है। परंतु सिद्ध गोष्ठी एवं प्राण सांगली में खुलकर सहज का वर्णन है। सिद्ध गोष्ठी अर्थात् सिद्धों के साथ वार्ता, गुरु नानक की हिन्दू नाथ पंथियों के साथ बातचीत है, जो हिमालय की गुफाओं में रहते थे। जबकि प्राण सांगली में लंका के राजा शिवनाभ के साथ वार्ता है।

'सहज' की अवधारणा में गुरु नानक की आध्यात्मिक सौच प्रमुख और महत्वपूर्ण है। लेकिन यह 'सहज' केवल कहने या मौखिक अभिव्यक्ति के साथ नहीं हो जाता है। यह एक वास्तविकता है, एक वास्तविक मानव स्थिति है, एक ठोस, व्यावहारिक मानव उपलब्धि है।

गुरु नानक के विचार में सिख धर्म के लिए 'सहज' एक मुख्य सिद्धांत है जिस का तात्पर्य हुक्म को स्वीकृत करना है। इस अर्थ में 'सहज' एक ऐसे व्यक्ति की आध्यात्मिक स्थिति होगी, जिसने ईश्वरीय इच्छा (हुक्म, भाना, रजा) को स्वीकार किया है। इस प्रकार 'सहज' सिख धर्म में प्राप्य सर्वोच्च आध्यात्मिक स्थिति है। यह सर्वोच्च आनंद है। इस प्रक्रिया को योग या आत्म-साक्षात्कार के नाम से भी जाना जाता है। इस योग की अनुभूति को परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने मानव में निहित कुंडलिनी नामक अवशिष्ट दिव्य शक्ति को 5 मई 1970 को उजागर कर विश्व के आध्यात्मिक इतिहास में संभव किया था। आम परिभाषा में सहज योग के नाम से प्रसिद्ध व नानाप्रकार के लाभों से समाविष्ट आज विश्व के 140 देशों में सहजी जन आनंद का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अधिक जानकारी निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है:

गुरु नानक के साथ साथ 'सहज समाधि' शब्द का प्रयोग आमतौर पर सभी निर्गुण-सम्प्रदाय संत, कवीर, नामदेव, दादू और अन्य करते थे। गुरु नानक के कालखंड में महा सुख या जीवन मुक्ति 'सहज' अवस्था के रूप में प्राप्त करना ही सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य समझा जाता था और इसी को बाबा नानक अंतरिक अनुशासन और दिव्य वास्तविकता से सीधे संपर्क की अनुभूति कहते हैं। जो साधक 'सहज' को प्राप्त होता है उस की दिव्य स्थिति कैसी होती है वह निम्नलिखित दोहों में स्पष्ट है-

**सहजे गिर हमि सहजि उदासी ॥ सहजे दुबिधा तन की नासी ॥  
जा कै सहजि मनि भइआ अनंदु ॥ ता कउ भेटिआ परमानंदु ॥ (अंग 236-237 ॥5॥)  
सहजे अमितु पीओ नामु ॥ सहजे कीनो जीअ को दानु ॥  
सहजे महि आतमु रसिआ ॥ ता कै संगि अबिनासी वसिआ ॥ (अंग 237 ॥6॥)  
सहजे आसणु असथिरु भाइआ ॥ सहजे अनहत सबदु वजाइआ ॥  
सहजे रुण झुणकारु सुहाइआ ॥ ता कै घरि पारब्रह्मु समाइआ ॥ (अंग 237 ॥6॥)  
सहजे जा कउ परिओ करमा ॥ सहजे गुरु भेटिओ सच्च धरमा ॥  
जा कै सहजु भइआ सो जाणै ॥ नानक दास ता कै कुरबाणै ॥ (अंग 237 ॥6॥)**

### भावार्थ

जिस मनुष्य में आत्मा का प्रकाश या सहज अवस्था प्राप्त हो जाती है, वह सभी कार्यों को सहज तरीके से करता है। उसके हृदय से मेरे तेरे का भेद नष्ट हो जाता है। वह हमेशा सहज ध्यान और आत्मा के आनंद में रहता है। ईश्वर प्रेम का अमृत पीता है, और दूसरों को भी सहज ध्यान का दान देता है। उसका सच्चा धर्म जागृत होता है। वह निर्विचार होकर, परमात्मा के साथ एक हो जाता है। नानक कहते हैं, ऐसी सहज अवस्था प्राप्त किए हुए व्यक्ति के लिए वे अपने प्राणों की आहुति देने को भी तैयार हैं।

## गुरु ग्रन्थ साहिब की कुछ सहज पंक्तियाँ



अच्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे ।

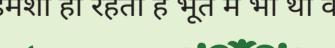
एक नूर ते सब जग उपजिया कौन भले कौन मंदे ॥

अर्थात हम सब का जन्मदाता एक है एक ही नूर से हम सब उत्पन्न हुए हैं कोई अच्छा और कोई बुरा नहीं। कोई ऊंचा और कोई नीचा नहीं जब हम सब एक ही खुदा के बच्चे हैं तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि हिंदुओं का खुदा अलग और मुसलमानों का खुदा अलग हो।



अदि सच जुगादि सच, हैभी सच नानक होसी भी सच।

परभु कालातीत है वह हमेशा ही रहता है भूत में भी था वर्तमान में भी है और भविष्य में भी वही रहेगा।



टुकदम करारी जो कर